>

Title: Need to announce special package for Banana growers and include the crop of Banana under National Horticulture Mission.

श्री ए.टी. नाना पाटील (जलगांव): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण विषय पर केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। केला अपनी पौष्टिकता के कारण गरीबों का फल कहलाता है। लेकिन सरकार द्वारा अपने प्रशासनिक क्षेत्र में इसे फल की जगह सब्जी के रूप में मान्यता देने के कारण केला उत्पादन तथा उत्पादक किसानों को भारी तकलीफ हो रही है। विगत कुछ दिन पहले महाराष्ट्र विधानसभा में केले को फल की मान्यता के साथ इसे राष्ट्रीय फलोत्पादन मिशन में शामिल कर इसके विकास तथा किसानों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा गया है।

महोदय, मैं जिस क्षेत्र से आता हूं उस क्षेत्र का नाम जलगांव है। जलगांव में केले का जो उत्पादन होता है वह सबसे अधिक उत्पादन कहा जाता है। केवल जलगांव में ही देश का कुल 16 प्रतिशत केले का उत्पादन होता है। महाराष्ट्र के लगभग 72 हजार हेक्टेयर भूमि केला उत्पादन क्षेत्र है। केवल जलगांव में 48 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में केले का उत्पादन होता है। लेकिन केला उत्पादक किसानों की दशा दयनीय दिखाई दे रही है। केला नाशवंत फल है। इसके विपणन की तत्काल सुविधा नहीं की गयी तो यह उत्पादन खराब होकर फेंकने के काम आता है। इसलिए केले की बिक्री व्यस्था इसके निर्यात के द्वारा किसानों की स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा कोई प्रयास नहीं करने से केला उत्पादक किसान चिंता में है।

सभापति महोदय ः कृपया अपनी डिमांड रखिए।

श्री ए.टी. नाना पाटील : सरकार ने देश में फलों के उत्पादन तथा इसके संरक्षण के लिए राष्ट्रीय फलोत्पादन मिशन शुरू किया है। लेकिन अभी तक केले को सब्जी की मान्यता रहने से इसको फलोत्पादन मिशन में शामिल नहीं किया गया। अगर इसे फलोत्पादन मिशन में शामिल किया गया होता तो हमारे गरीब केला उत्पादक किसानों को सरकार की तरफ से केले के अच्छे बीज, खाद और सहायता मिल सकती थी लेकिन हमारे केला उत्पादक किसान सरकार की सहायता से वर्षों से वंचित रहे हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि सरकार इसका गंभीर से गंभीर संज्ञान ले केले को राष्ट्रीय फलोत्पादन मिशन में शामिल करे और केला उत्पादकों पर वर्षों से इस मामले में हो रहे अन्याय का परिमार्जन करने के लिए एक विशेष आर्थिक सहायता पैकेज देने की घोषणा करे।

हमारे यहां के किसानों को फलोत्पादन मिशन में शामिल करने के बाद उनके उत्पादन को तत्काल विपणन के लिए रेलवे रैक(वैगन) उपलब्ध कराने, जलगांव में केले के निर्यात हेतु विमानपत्तन हब बनाने और परिवर्तन हेतु अनुदान, आर्थिक सहायता देने की आवश्यकता है। सरकार अन्य फसलों को जिस तरह कम ब्याज पर फसल ऋण बैंकों के द्वारा उपलब्ध कराती है और आपदा की स्थिति में फसलों का मुआवजा देती है उसी तरह केला उत्पादक किसानों को भी सारी सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए।

सभापति महोदय ः यह डिबेट नहीं है। आपने अपनी भावना व्यक्त कर दी है।

श्री ए.टी. नाना पाटील : मैंने स्वयं केला उत्पादक किसानों की बदहाली का संज्ञान लेकर एक गैर सरकारी विधेयक के माध्यम से सरकार के द्वारा केला उत्पादकों को सहायता और आर्थिक संरक्षण उपलब्ध कराने का प्रावधान कराने का निवेदन किया है।

सभापति महोदय ः अब आप की बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय : श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्री शिवकुमार उदासी, श्री कमलेश पासवान, श्री देवजी एम. पटेल और श्री गोविन्द प्रसाद मिश्र जी अपने आप को श्री ए. टी. नाना पाटिल के विषय के साथ संबद्ध करते हैं।

श्री गोविन्द प्रसाद मिश्र (सीधी): सभापति महोदय, हिन्दुस्तान में केला...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी कोई बात रिकार्ड में नहीं जाएगी। आप श्री बाजवा को बोलने दीजिए।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय : आप बैठ जाइए। उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)